भारत की सभी समस्याओँ का अन्त

सिसेटम चेन्ज

श्री बृम्हांड नायक चंरण वंदना

मानव निर्मित समस्याओं का अन्त मानव निर्मित कम्प्यूटर इंटर नेट से

# मानव निर्मित समस्याओं का अन्त कम्प्यूटर इंटर नेट से

1. आज पूरे विश्व मे । धन की । स्वेच्छिक आजादी के कारण । मानव निर्मित । अनेक समस्याए खडी हो गई है ।
2. यदि मानव ने । धन की स्वेच्छिक आजादी के कारण । समस्याए उत्पन्न की है ।
3. तो उसी मानव ने । कम्प्यूटर इन्टर नेट भी उत्पन्न क्या है ।

# कम्प्यूटर इंटरनेट मानव समाज के लिए वरदान

1. कम्प्यूटर । इंटरनेट । मानव समाज के लिए । वरदान है ।
2. प्रचीन काल मे । इस सुविधा को । दिब्य द्रष्टि शक्ती । कहा जाता था ।
3. हिन्दू धर्म के अनुसार । दिब्य द्रष्टि शक्ती । देवताओं के पास रहती है । जो किसी दूसरे स्थान मे रहकर । किसी दूसरे स्थान का हाल देख लेते है ।
4. हिन्दू धर्म के । महाभारत ग्रन्थ के अनुसार । महाभारत मे । संजय ने । राज दरबार मे बैठकर । अपनी दिब्य द्रष्टि शक्ती से । धृतराष्ट्र को । कुरूक्षेत्र का । ऑखो देखा हाल सुनाया था ।
5. संजय ने वह । दिब्य द्रष्टि शक्ती । कठिनता से हांसिल की थी ।
6. शक्तियों का । कभी भी अंत नही होता है ।
7. शक्तियां कुछ समय के लिए । विलुप्त होती है । और फिर । किसी न किसी रूप मे । हमारे सामने प्रकट हो जाती है ।
8. प्रचीन काल की । वही दिब्य द्रष्टि शक्ती । आज कम्प्यूटर इंटरनेट बनकर । हमारे सामने प्रगट हुई है ।
9. कम्प्यूटर । इंटरनेट के जरिये । हम विश्व के । किसी भी । कोने का हाल । अपने घर मे बैठकर । देख लेते है ।
10. इसीलिए । कम्प्यूटर इंटरनेट । मानव समाज के लिए । वरदान है ।
11. क्योंकी । कम्प्यूटर । इंटरनेट मे । मौजूद सबूत अमिट रहते है ।
12. कम्प्यूटर । इंटरनेट मे । मौजूद सबूत अमिट रहने के कारण । अपराधी तुरन्त पकडा जाता है ।

<u>इस तरह मानव निर्मित समस्याओं का अन्त । मानव निर्मित कम्प्यूटर इंटर नेट से होगा ।</u>

## जय विश्व अग्रणी भारत की

मेरा भारत महान

Copy Right Diary Number 3968/2015-CO/L